करगिल के शहीदों को नमन किया

- राष्ट्रपति व राज्यों के सीएम हुए कार्यक्रम में शामिल
- वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

नई दिल्ली, 26 जुलाई. करगिल विजय दिवस के अवसर पर पूरे देश ने 1999 के करगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'एक्स' पर लिखा, करगिल विजय दिवस पर मैं मातृभूमि के लिए प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देती हूं. उनका अद्वितीय साहस और सर्वोच्च बलिदान सदैव राष्ट्र को प्रेरणा देता रहेगा.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी करगिल के नायकों को श्रद्धांजलि दी. खरगे ने लिखा,हम अपने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हैं. सोनिया गांधी ने कहा, वीरों की विरासत अमर है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों को नमन करते हुए लिखा,करगिल विजय दिवस वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की अद्भुत मिसाल है. राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों ने भी अपने-अपने राज्यों में कार्यक्रमों के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि दी.

कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने किया नमन

पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ में शौर्य दिवस समारोह में हिस्सा लिया. दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और सीएम अरविंद केजरीवाल ने इंडिया गेट स्थित अमर जवान ज्योति पर श्रद्धासुमन अर्पित किए. उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि दी. उन्होंने कहा यह दिन 1999 के ऑपरेशन विजय की सफलता की याद दिलाता है, जब सेना ने नियंत्रण रेखा पार कर घुसे पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे खदेड़ते हुए पुनः कब्जा कर भारत का परचम लहराया.

मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में शौर्य स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की. उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में कारगिल वीरों की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाया. राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में सैनिक स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राज्यपाल रमेश बैस ने मुंबई में युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि दी और शहीद परिवारों से भेंट की.

सीमा पर झड़प, दूतावासों की एडवाइजरी

थाईलैंड-कंबोडिया तनाव के बीच सतर्क रहने की सलाह

भीषण गोलीबारी में अब तक 14 लोगों की मौत

नोमपेन्ह, 26जुलाई. थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर तीसरे दिन भी झड़प जारी रही. शनिवार को दोनों देशों के बीच चली भीषण गोलीबारी में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि1.3 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं. हालात बिगड़ते देख कंबोडिया और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावासों ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है.

कंबोडिया स्थित भारतीय

दूतावास ने शनिवार 26 जुलाई को एडवाइजरी जारी कर कहा कि,थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर चल रहे सैन्य संघर्ष को देखते हुए भारतीय नागरिकों को इन क्षेत्रों की यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है. किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से तुरंत संपर्क करने को कहा गया है.

थाईलैंड में भी अलर्ट : एक दिन पहले शुक्रवार को थाईलैंड में स्थित भारतीय दूतावास ने भी उबोन, सुरिन, सिसाकेट, बुरीराम, सा काओ, चंथाबुरी और ट्राट सहित 20 से अधिक संवेदनशील इलाकों की यात्रा न करने की सख्त हिदायत दी थी.

युद्ध का खतरा गहराया

शनिवार को थाई नेवी ने तटीय प्रांत ट्राट में झड़प की पुष्टि की, जो विवादित सीमा से करीब 100 किमी दूर है. इसे देखकर स्पष्ट है कि अब टकराव केवल सीमित इलाके तक सीमित नहीं रहा. दोनों पक्ष अब अंतरराष्ट्रीय समर्थन की कोशिश में हैं. कंबोडिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की मांग की है, वहीं थाईलैंड ने वार्ता के संकेत दिए हैं.

राहुल की ओबीसी माफी पर गरमाई सियासत

केंद्रीय मंत्री शिवराज और कविता ने कसा तंज

नई दिल्ली, 26 जुलाई. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा ओबीसी वर्ग को लेकर दी गई सार्वजनिक माफी पर सियासी घमासान छिड़ गया है. राहुल ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में स्वीकार किया कि कांग्रेस सरकार के दौरान ओबीसी वर्ग के हितों की पर्याप्त रक्षा नहीं हो सकी और यह उनकी राजनीतिक चूक थी. इस बयान को लेकर बीजेपी और बीआरएस समेत विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पलटवार करते हुए कहा, राहुल गांधी को हर बात बहुत देर से समझ आती है. उन्होंने पहले इमरजेंसी, फिर सिख दंगे और राफेल मामले में माफी मांगी, अब ओबीसी से. कांग्रेस ने ओबीसी को हमेशा नजरअंदाज किया है. आज जो कर रहे हैं, उसके लिए भी दस साल बाद माफी मांगेंगे.

बीआरएस नेता के कविता ने भी राहुल पर निशाना साधते हुए कहा,सिर्फ एक साधारण माफी से कुछ नहीं होगा. कांग्रेस 75 वर्षों तक सत्ता में रही, फिर भी ओबीसी को उनका हक नहीं दिला सकी. उन छात्रों का क्या, जो अवसरों से वंचित रह गए? कविता ने आगे चुनौती दी, अगर राहुल गांधी की माफी ईमानदार है, तो तेलंगाना में हुई ओबीसी जाति जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करें. यदि उनमें कोई त्रुटि है, तो जनता को उसे सुधारने का मौका दें. अन्यथा हम देशभर में कांग्रेस की कथनी और करनी को उजागर करेंगे. राहुल गांधी ने अपने आत्मविश्लेषण में स्वीकार किया कि, मैं 2004 से राजनीति में हूं. जब मैं पीछे देखता हूं तो पाता हूं कि ओबीसी की समस्याओं को समय पर नहीं समझ सका. अगर तब जानकारी होती तो जातिगत जनगणना उसी वक्त करवा देता. ये मेरी गलती थी, जिसे अब मैं सुधारने की कोशिश कर रहा हूं. उन्होंने यह भी कहा कि यदि पहले जनगणना कराई जाती, तो वह उतनी सटीक नहीं होती, जितनी अब की जा सकती है. राहुल की यह स्वीकारोक्ति अब राजनीतिक बहस का नया केंद्र बन गई है.

चीन के उत्तर प्रांत में बाढ़ का रेड अलर्ट

लाझोउ, 26 जुलाई. उत्तर-पश्चिमी चीन के गांसु प्रांत में क्षेत्र के कुछ हिस्सों में जारी भारी बारिश के बीच शनिवार को अचानक बाढ़ और भूगर्भीय आपदाओं के मौसम संबंधी जोखिमों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया. प्रांतीय जल संसाधन विभाग और प्रांतीय मौसम विज्ञान ब्यूरो ने संयुक्त रूप से सुबह 6.10 बजे अचानक बाढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जिसमें पिंगलियांग और किंगयांग के कुछ हिस्सों में अल्पकालिक भारी वर्षा से बढ़ते खतरे का हवाला दिया गया. उसी दिन बाद में, प्रांतीय प्राकृतिक संसाधन विभाग और प्रांतीय मौसम विज्ञान ब्यूरो ने उन्हीं क्षेत्रों में मौसम से उत्पन्न भूगर्भीय आपदाओं के लिए रेड अलर्ट जारी किया.

शिक्षा में नए विकल्प की आवश्यकता : भागवत

- केरल के आदिशंकरा निलयम में 4 दिवसीय बैठक

केरल, 26 जुलाई. हम सब जिस शिक्षा से निकले हैं, वह शिक्षा औपनिवेशिक प्रभाव से ग्रस्त थी. हम भारतीय दृष्टि के आधार पर शिक्षा में नये विकल्प देने की आवश्यकता, तो इसलिए हमें स्वयं को वैसा तैयार करने की आवश्यकता है. हमारी पृष्ठभूमि उस शिक्षा की है इसलिए हमारा विषय कंठस्थ होना चाहिए, हमें नियमित इस पर अभ्यास करना जरूरी.

यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की राष्ट्रीय चिंतन बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता स्वयं को योग्य बनाए, अपना उदाहरण रखें और अपनी दोस्ती रख कर कार्यकर्ता को अपने जैसा बनाएं. इसलिए कार्यकर्ताओं का नियमित प्रशिक्षण जरूरी है. इन सभी के लिए, समन्वय जरूरी है, समन्वय का दायरा व्यक्ति से विश्व तक का होता है, हमें सबके साथ परस्पर मिलकर चलना है. समन्वय रखने के लिए धैर्य चाहिए, दूसरों को समझने का स्वभाव चाहिए, अपनापन चाहिए, समन्वय से ही संगठन का विस्तार होता है. शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के सचिव डॉ अतुल कोठारी ने कहा कि न्यास का लक्ष्य शिक्षा को एक नया विकल्प देना है. हम वर्ष 2004 से देश, काल परिस्थिति के अनुरूप कार्य करते हुए आगे बढ़ते जा रहे हैं. शिक्षा के सभी घटकों को हमें जोड़ना है.

द्वितीय दिवस की जानकारी देते हुए न्यास के सह संयोजक डॉ राजेश्वर कुमार ने बताया कि न्यास के 10 विषय, 3 आयाम, 3 कार्य विभाग एवं 2 अभियानों की समीक्षा तथा 1 व 5 वर्षों की योजना पर चर्चा हुई. सभी विषयों में संगठनात्मक व कार्यक्रमात्मक दोनों आयामों पर योजना बनाई. शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एक राष्ट्र एक नाम भारत विषय को लेकर देशभर के शैक्षिक संस्थानों में जाएगा तथा अधिक से अधिक संस्थानों में इस विषय को लेकर प्रस्ताव पारित हो, इस पर प्रयास करेगा.

एक नजर में

अमेरिका करेगा सैनिकों की संख्या में कटौती

वाशिंगटन, 26 जुलाई. एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हन्नो पेवकुर ने कहा है कि अमेरिका वैश्विक स्तर पर अपने सैनिकों की स्थिति की समीक्षा कर रहा है जिसके तहत यूरोपीय क्षेत्रों में अमेरिकी सेना की उपस्थिति कम होगी। इस्टोनिया के समाचार पोर्टल ईआरआर ने बताया कि शुक्रवार को वाशिंगटन यात्रा के दौरान पेवकुर ने लातविया और लिथुआनिया के अपने समकक्षों के साथ अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के साथ मिलकर अटलांटिक महासागर के किनारे बसे देशों के बीच के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से सहयोग पर चर्चा की। पेवकुर ने बताया वैश्विक स्तर पर अमेरिकी सैनिकों की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। यह प्रक्रिया यूरोप में सर्वोच्च सैन्य कमांडर और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) मुख्यालय के सहयोग से की जा रही है। संभव है कि शरद ऋतु में और सटीक आंकड़े घोषित किए जाएँ। समाचार पोर्टल के मुताबिक पेवकुर ने बताया कि अमेरिका का ध्यान अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र की ओर केन्द्रित हो रहा है। यूरोप में उसके सैनिकों की सैन्य उपस्थिति कम होगी।

ऑपरेशन सिंदूर भारत का संकल्प : सेना प्रमुख

श्रीनगर, 26 जुलाई. सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने करगिल विजय दिवस की वर्षगांठ पर शनिवार को यहां कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि भारत का संकल्प, संदेश और पाकिस्तान को निर्णायक जवाब था कि आतंकवाद को सहारा देने वाले अब बख्शे नहीं जाएंगे. जनरल द्विवेदी ने लद्दाख के द्रास में करगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि वर्ष 1999 में भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के अंतर्गत करगिल की चोटियों पर अद्वितीय विजय प्राप्त की थी. उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने उस समय स्पष्ट कर दिया था कि उसकी सीमाओं के भीतर किसी भी नापाक इरादे को सफलता नहीं मिलेगी. भारत की एकता और अखंडता पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी.

रूस में सामने आया ड्रोन का संयंत्र

मास्को, 26 जुलाई. रूस ने अपने ड्रोन संयंत्र और रूस के युद्ध प्रयास में इसके योगदान को सार्वजनिक करने का निर्णय लिया है और ड्रोन उत्पादन सुविधा के अंदर की पहली आधिकारिक झलक सार्वजनिक की है। यह जानकारी सीएनएन ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में दी. सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अलाबुगा के कारखाने में विशिष्ट काले, त्रिकोणीय ईरानी डिज़ाइन वाले हमलावर ड्रोन (जिन्हें रूसी भाषा में गेरान कहा जाता है) पंक्तियों में लगे हुए हैं जो देश के सबसे बड़े ड्रोन कारखानों में से एक है.

वेकोलि मुख्यालय की टीम विजेता

- वेकोलि में अंतर क्षेत्रीय सांस्कृतिक मिलन स्पर्धा

नागपुर, 26 जुलाई. वेकोलि मुख्यालय में 23 से 25 जुलाई तक तीन दिवसीय अंतर क्षेत्रीय सांस्कृतिक मिलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में वेकोलि के सभी क्षेत्रों तथा मुख्यालय की कुल 11 टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में भजन, भारतीय लोकगीत, बंजो वादन, माउथ ऑर्गन, गजल, लाइट सॉन्ग, हास्य प्रहसन, ऑर्केस्ट्रा, खयाल, ध्रुपद, ठुमरी, रविन्द्र संगीत, नजरूल गीत, सिंथेसाइजर, गिटार, ट्रम्पेट, तबला वादन, बासुरी वादन, के अतरिक्त भारतीय शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य और कव्वाली जैसी की कुल 28 विधाओं की स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिसमें में कुल 275 कर्मियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह वेकोलि मुख्यालय के सांस्कृतिक भवन में आयोजित किया गया. इस अवसर पर वेकोलि के सीएमडी जेपी द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक तकनीकी एके सिंह, निदेशक विक्रम घोष, निदेशक तकनीकी आनंदजी प्रसाद, निदेशक डॉ. हेमंत शरद पांडे तथा सीवीओ अजय मधुकर म्हेत्रे उपस्थित रहे.

आज का इतिहास

1655	नीदरलैंड और ब्रांडेनबर्ग ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये।
1694	इंग्लैंड सरकार के बैंकर के रूप में एक रॉयल चार्टर बैंक ऑफ इंग्लैंड को दिया गया।
1709	सम्राट इम्पेरर नाकमिकादो जापान के सिंहासन पर बैठे।
1713	रूस और तुर्की ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किये।
1789	पहली फेडरल एजेंसी द डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन अफेयर्स की स्थापना।
1836	दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में एडीलेड की स्थापना।

बंगाल की वोटर लिस्ट में 1.25 करोड़ अवैध प्रवासी

- विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का बड़ा दावा
- टीएमसी ने कहा दावे का प्रमाण दो

कोलकाता, 26 जुलाई. पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान एक बार फिर तेज हो गया है. विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को दावा किया कि राज्य की मतदाता सूची में करीब 1.25 करोड़ अवैध प्रवासी शामिल हैं. उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद इन सभी को हटाया जाएगा और उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी.

पूर्व मेदिनीपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि धार्मिक उत्पीड़न के कारण जो हिंदू शरणार्थी आए हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं. उन्होंने दावा किया कि अगर बिहार में 50 लाख नाम हट सकते हैं, तो बंगाल में 1.25 करोड़ नाम भी हट सकते हैं.

उन्होंने कहा इस बार मुख्यमंत्री को कोई नहीं बचा पाएगा. सारी लूट व फर्जी मतदान खत्म होगा. उन्होंने सरकारी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे ईमानदारी से काम करें, वरना जिला स्तर पर कार्रवाई की जाएगी.

टीएमसी का पलटवार : सांप्रदायिक मत फैलाओ

शुभेंदु अधिकारी के इस बयान पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. पार्टी प्रवक्ता देबांशु भट्टाचार्य ने भाजपा को चुनौती दी कि अगर वे इतने अवैध मतदाताओं की बात कर रहे हैं तो उनकी सूची चुनाव आयोग को दें. उन्होंने कहा,क्या शुभेंदु अधिकारी ने कभी किसी रोहिंग्या को देखा है? क्या वे जानते हैं वे कौन सी भाषा बोलते हैं? भट्टाचार्य ने दावा किया कि स्क्रूटनी प्रक्रिया विपक्षी मतदाताओं को हटाने की साजिश है, जिससे हिंदू और मुसलमान दोनों प्रभावित हो रहे हैं. टीएमसी प्रवक्ता ने कहा कि बंगाली समाज, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान, अपनी भाषा और पहचान को लेकर एकजुट है. बिहार में यादवों को हटाया गया,अब बंगाल में भी वही खेल खेला जा रहा है, लेकिन यह सफल नहीं होगा. उन्होंने दावा किया कि एसआईआर का उद्देश्य विपक्षी दलों के समर्थकों को मतदाता सूची से हटाना है. उन्होंने कहा, इसका असर हिंदू और मुसलमान दोनों पर पड़ रहा है. बिहार में राजद को वोट देने वाले कई यादवों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जा रहा है. अब वे बंगाल में भी यही कोशिश करना चाहते हैं, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं होगा. उन्होंने आगे कहा, बंगाली, हिंदू और मुसलमान दोनों अपनी भाषा और पहचान को लेकर एकजुट हैं.

इस्राइल-हमास संघर्ष गहराया, 25 की मौत

खाद्य संकट : फलस्तीनियों पर मंडरा भुखमरी का खतरा

गाजा सिटी, 26जुलाई . गाजा पट्टी के दीर अल-बलाह में शनिवार को इस्राइली हवाई हमलों और गोलीबारी में 25 फलस्तीनियों की मौत हो गई. शिफा अस्पताल और एम्बुलेंस सेवाओं ने पुष्टि की कि अधिकतर लोग जिकिम क्रॉसिंग के पास मदद का इंतजार करते हुए मारे गए.

इस्राइली सेना ने घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. गाजा सिटी में एक अपार्टमेंट पर हमले में चार लोगों की मौत हुई. हमले ऐसे वक्त हुए हैं जब इस्राइल और

हमास के बीच युद्धविराम वार्ता ठप हो गई है. अमेरिका और इस्राइल ने बातचीत के लिए भेजी गई अपनी टीमें वापस बुला ली हैं, जिससे शांति प्रक्रिया को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है.

गाजा में खाद्य संकट गहराता जा रहा है. संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि भुखमरी और कुपोषण से मौतों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है. इस्राइली सेना का कहना है कि वह मानवीय मदद के ट्रकों को गाजा में प्रवेश की अनुमति दे रही है, लेकिन यूएन का दावा है कि सैन्य प्रतिबंध, लूटपाट और सुरक्षा खतरों के कारण राहत वितरण बाधित है. हाल ही में जिकिम क्रॉसिंग पर हुई गोलीबारी में 79 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है.

तीन चरणों में लागू होने वाले इस समझौते के तहत युद्धविराम, बंधकों की रिहाई और गज़ा के पुनर्निर्माण से जुड़े कदम उठाए जाएंगे. इस्राइल और हमास के बीच समझौते से भारत को भी कई मोर्चों पर राहत मिल सकती है. इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष की वजह से अस्थिरता के दौर से गुजर रहे मध्यपूर्व से भारत के गहरे आर्थिक और सामरिक हित जुड़े हैं. इसराइल और हमास के बीच अब तक चले आ रहे युद्ध ने भारत के हितों को किस तरह प्रभावित किया है.

निर्णय

योगी सरकार का फैसला, राज्य पुलिस बल में 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा

अग्निवीरों को अब देशसेवा का मिलेगा सम्मान

नईदिल्ली, 26जुलाई. योगी सरकार का यह फैसला कि अग्निपथ योजना के तहत देशसेवा कर लौटने वाले अग्निवीरों को राज्य पुलिस बल में 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा न सिर्फ एक नीतिगत निर्णय है, बल्कि यह उन जवानों के जज्बे को सलाम है, जिन्होंने देश के लिए अपनी जवानी दांव पर लगाई.

जब अग्निपथ योजना लागू हुई थी, तब इसे लेकर कई सवाल उठते थे. युवा वर्ग में भ्रम था, भविष्य को लेकर चिंता थी. लेकिन अब, योगी सरकार ने एक ठोस रास्ता दिखाया है कि

सेना से लौटने के बाद भी राष्ट्रसेवकों को समाज में भूमिका और रोजगार दोनों मिल सकते हैं. यह कदम अन्य राज्यों के लिए भी मिसाल बन सकता है. यह फैसला महज एक आरक्षण की बात नहीं है, बल्कि यह एक सोच है कि जो देश के लिए लड़े, वह समाज की सुरक्षा में भी भागीदार बनें. पुलिस बल में उनकी अनुशासन, परिश्रम और देशभक्ति का इस्तेमाल हो सकेगा. इससे न सिर्फ पुलिस का पेशेवर स्तर बढ़ेगा, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक संदेश मिलेगा.

इस फैसले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सेना से लौटने वाले जवानों को सिर्फ एक नौकरी नहीं देता, बल्कि उन्हें एक पहचान, एक सम्मान और एक नई जिम्मेदारी देता है. यह निर्णय दिखाता है कि देशभक्ति केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज की मुख्य धारा का हिस्सा बन सकती है.

ढाका में विमान हादसे के घायलों की जांच में जुटा भारतीय दल

ढाका, 25 जुलाई. दिल्ली के दो शीर्ष अस्पतालों के दो बर्न इंजरी विशेषज्ञों सहित भारतीय चिकित्सों का दल 21 जुलाई को ढाका के माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज में हुए विमान हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल मरीजों के इलाज के लिए चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहा है. भारतीय टीम ने ढाका स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी के डॉक्टरों के साथ दूसरे दौर का परामर्श किया, कुछ मरीजों से मुलाकात की. ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया कि टीम ने संस्थान के डॉक्टरों के साथ प्रबंधन प्रोटोकॉल पर चर्चा की और उपचार पद्धति के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की.

महिला अभ्यर्थी से एंबुलेंस में गैंगरेप

- पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार
- ड्राइवर और टेक्नीशियन ने दिया घटना को अंजाम

गया,26 जुलाई. बिहार के गया जिले से मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. होमगार्ड बहाली में शामिल होने आई एक महिला अभ्यर्थी के साथ चलती एंबुलेंस में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है.

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस चालक विनय कुमार और टेक्नीशियन अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया है. यह शर्मनाक वारदात बोधगया के बीएमपी-3 खेल मैदान में हुई, जहां 25 जुलाई को महिला होमगार्ड की दौड़ आयोजित की गई थी. दौड़ के दौरान इमामगंज थाना क्षेत्र की एक महिला अभ्यर्थी बेहोश होकर गिर पड़ी. पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस बुलाई और महिला को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया.

20 मिनट में दरिंदगी, अस्पताल पहुंचते ही पीड़िता ने खोले राज

महिला जब होश में आई तो उसने डॉक्टर और पुलिस को बताया कि एंबुलेंस में उसके साथ दुष्कर्म हुआ. पीड़िता के मुताबिक, चलती गाड़ी में ड्राइवर और टेक्नीशियन ने छेड़छाड़ के बाद गैंगरेप किया. बीएमपी-3 मैदान से अस्पताल की दूरी महज 20 मिनट की है, लेकिन इस छोटे से सफर में अपराधियों ने दरिंदगी की हदें पार कर दीं. सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि आरोप मिलते ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया. मामले की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं. स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है. लोगों ने आरोपियों को फांसी तक की मांग की है. उनका कहना है कि अगर एंबुलेंस जैसी सेवा भी सुरक्षित नहीं रही, तो महिलाएं कहां जाएं? फिलहाल, दोनों आरोपियों को जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही है.